Rashtriya Sahara

EDII

July 27, 2021

ईडीआईआई के महानिदेशक से दस्तकारों ने बताईं समस्याएं

भटहट (एसएनबी)। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के (ईडीआईआई) के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने लगड़ी गुलरिहा स्थित टेराकोटा कलस्टर का निरीक्षण किया। टेराकोटा कलस्टर में नबार्ड द्वारा प्रायोजित आफ फार्म प्रोड्यूसर आर्गनाइजेशन (ओएफपीओ) परियोजना संचालित है। महानिदेशक ने ओएफपीओ कम्पनी के निदेशक मण्डल से वार्ता की। इस दौरान निदेशक मण्डल राजन प्रजापति, नन्दलाल, अंजनी देबी आदि ने महानिदेशक से कलस्टर से जुड़ी समस्याओं को जैसे उत्पाद की गुणवत्ता, मार्केटिंग, उत्पाद एकत्रीकरण, नई डिजाइन और पैकेजिंग इत्यादि पर विस्तृत रुप से चर्चा की।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने बताया कि टेराकोटा में काम करने वाले शिल्पकार खुद को सामूहिक रुप से संगठित कर एक बेहतर संगठन के माध्यम से कम कीमत पर कच्चे माल, मिट्टी आदि खरीद कर अपने उत्पाद को अधिक मूल्य पर कम्पनी के माध्यम से बेच सकते है। ओएफपीओ कम्पनी का गठन टेराकोटा शिल्पकारों के सामूहिक, व्यवसायिक गतिविधियों के साथ साथ उनकी क्षमता निर्माण एवं बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करेगा। ओएफपीओ कम्पनी के निदेशक राजन प्रजापति, नन्दलाल, अंजनी देबी, समेत जितेंद्र, रामजीत प्रजापति, हरिवंश, नागेंद्र आदि लोग उपस्थित रहे।

ईडीआईआई के उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के रीजन कोआर्डिनेटर डा अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि आईडीआईआई केन्द्र सरकार, राज्य सरकार एवं विभिन्न एजेंसियों जैसे नबार्ड सिडबी आदि के प्रायोजन से विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करती है। जिसका मुख्य उपदेश आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करना है। उन्होंने बताया कि

टेराकोटा कलस्टर का निरीक्षण करते महानिदेशक।

ईडीआईआई के महानिदेशक सुनील शुक्ला केन्द्र और राज्य सरकारों विभिन्न कमेटियों में अपनी सेवा दे रहे है। संस्था देश में और विदेशों में विभिन्न प्रकार के शोध, शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता विकास को बढ़ावा देता रहा है। उद्यमिता के विशेषज्ञता को देखते हुऐ कई राज्य सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उद्यमिता पर पाठ्यक्रम विकसित करने का कार्य भी सौंपा है।

शिल्पकारों ने इलेक्ट्रिक भट्ठी का मांग किया

लगड़ी गुलरिहा गांव में स्थित, टेराकोटा केंद्र पर उपस्थित शिल्पकार, राजन प्रजापति संध्या देवी, गीता देवी, अंजनी देवी, ष्ण मुरारी, राजकुमार, अमरनाथ, अनिल प्रजापति आदि दर्जनों दस्तकारों ने सुनील शुक्ला से बताया कि लगभग दो साल पहले माटी कला बोर्ड द्वारा शिल्पकारों को आधुनिक भट्ठी मुहैया कराया गया था। जिसमें कण्डी (गोईठा) तथा लकड़ी से कलातियों को पकाया जाना था। परन्तु वह भट्ठी यहां के मिट्टी और वातावरण के अनुकूल नहीं है। इसलिए शिल्पकारों ने इलेक्ट्रिक भट्ठी का मांग किया। डायरेक्टर ने दस्तकारों को मिट्टी वातावरण के अनुकूल भठ्ठी उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया है।